INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 9, Issue: 01 | January - June 2022

भारतीय युवाओं में ऑनलाइन और ऑफलाइन राजनीतिक भागीदारी पर फेसबुक के उपयोग के प्रभाव की खोज

[1] Km Garima Singh, [2]Dr. Pratibha Tyagi
[1]Research Scholar, [2]Supervisor
[1-2] Department of Political Science, CMJ University, Meghalaya, India

सार

यह शोधपत्र भारतीय युवाओं के बीच ऑनलाइन और ऑफलाइन राजनीतिक भागीदारी पर फेसबुक के उपयोग के प्रभाव की जांच करता है, जिसमें सूचना की गुणवत्ता, उपयोग में आसानी और जुड़ाव आवृत्ति जैसे प्रमुख कारकों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। अध्ययन में तीन मुख्य परिकल्पनाओं की पहचान की गई है: फेसबुक के उपयोग का ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी के साथ सकारात्मक संबंध है, फेसबुक पर सूचना की गुणवत्ता भागीदारी को प्रभावित करती है, और फेसबुक के उपयोग में आसानी का राजनीतिक भागीदारी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अध्ययन में भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल के 390 युवा प्रतिभागियों के नमूने का उपयोग किया गया है। जनसांख्यिकीय विभाजन, सर्वेक्षण प्रतिक्रियाओं और परिकल्पना परीक्षण के माध्यम से डेटा का विश्लेषण किया गया है, जिससे महत्वपूर्ण रुझान सामने आए हैं जो विभिन्न जनसांख्यिकीय श्रेणियों में राजनीतिक व्यवहार को आकार देने में फेसबुक की भूमिका को प्रदर्शित करते हैं।

महत्वपूर्ण शब्द : फेसबुक उपयोग, राजनीतिक भागीदारी, ऑनलाइन जुड़ाव, ऑफलाइन राजनीतिक गतिविधियां, युवा, सोशल मीडिया, भारत, जनसांख्यिकीय विश्लेषण, परिकल्पना परीक्षण।

1 परिचय

राजनीतिक भागीदारी पर सोशल मीडिया का प्रभाव काफी दिलचस्पी का विषय बन गया है, खास तौर पर युवा लोगों के संदर्भ में। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म के बढ़ते इस्तेमाल के साथ, युवाओं के ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से राजनीति से जुड़ने के तरीके में नाटकीय रूप से बदलाव आया है। सोशल मीडिया न केवल राजनीतिक जानकारी के त्वरित प्रसार की अनुमति देता है, बल्कि टिप्पणियों, शेयर और लाइक जैसी सुविधाओं के माध्यम से भागीदारी को भी प्रोत्साहित करता है, जो ऑनलाइन राजनीतिक सक्रियता के रूप में काम करते हैं। यह अध्ययन भारतीय युवा जनसांख्यिकी पर केंद्रित है, जिसमें यह पता लगाया गया है कि फेसबुक का उपयोग उनके राजनीतिक व्यवहार को कैसे प्रभावित करता है, आभासी दुनिया में और मतदान, विरोध और राजनीतिक भागीदारी जैसी ऑफलाइन गतिविधियों में।

परिकल्पनाएँ:

परिकल्पना 1: फेसबुक उपयोग और ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी

परिकल्पना 2: फेसबुक सूचना गुणवत्ता और ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी

परिकल्पना 3: सोशल मीडिया के उपयोग में आसानी और राजनीतिक गतिविधियों में सोशल मीडिया के उपयोग के बीच एक मजबूत संबंध है

इन परिकल्पनाओं का परीक्षण जनसांख्यिकीय विश्लेषण और सर्वेक्षण–आधारित डेटा संग्रह के संयोजन के माध्यम से किया गया है, जिसमें भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल के प्रतिभागियों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 9, Issue: 01 | January - June 2022

2. साहित्य समीक्षा

फेसबुक और ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी

सोशल मीडिया, खास तौर पर फेसबुक, खासकर युवा वयस्कों के बीच राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देने में कारगर साबित हुआ है। बाउमगार्टनर और मॉरिस (2010) के अनुसार, फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म युवा लोगों को राजनीतिक चर्चाओं में शामिल होने और राजनीतिक सामग्री साझा करने के लिए एक जगह प्रदान करते हैं। इसी तरह, गिल डे जुनिगा एट अल. (2012) ने पाया कि सोशल मीडिया का उपयोग उपयोगकर्ताओं को राजनीतिक सामग्री साझा करने और चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करके राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाता है, जिससे ऑनलाइन राजनीतिक गतिविधि का स्तर बढ़ता है। हालाँकि, ऑफलाइन राजनीतिक व्यवहार पर सोशल मीडिया का प्रभाव अधिक जटिल है। वैलेंजुएला एट अल. (2009) ने पाया कि ऑनलाइन भागीदारी से ऑफलाइन राजनीतिक भागीदारी बढ़ सकती है, जैसे मतदान और रैलियों में भाग लेना। इसका समर्थन कुशिन और यामामोटो (2010) ने किया है, जिन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सोशल मीडिया का उपयोग व्यक्तियों को ऑफलाइन राजनीतिक कार्यों में शामिल होने के लिए प्रेरित कर सकता है।

सूचना की गुणवत्ता और उपयोग में आसानी की भूमिका

सूचना की गुणवत्ताःराजनीतिक जानकारी के प्रसार में फेसबुक की भूमिका महत्वपूर्ण है। एलिसन एट अल. (2007) ने सुझाव दिया कि फेसबुक पर साझा की गई जानकारी की गुणवत्ता और विश्वसनीयता राजनीतिक भागीदारी के स्तर को प्रभावित करती है। विश्वसनीय स्रोतों का अनुसरण करने वाले उपयोगकर्ता राजनीतिक चर्चाओं में शामिल होने की अधिक संभावना रखते हैं। उपयोग में आसानीःशेफेले एट अल. (2004) और पार्क एट अल. (2009) ने पाया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नेविगेट करने में आसानी राजनीतिक भागीदारी की आवृत्ति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है। यदि कोई प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ता के अनुकूल है, तो यह राजनीतिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।

जनसांख्यिकीय कारक और सोशल मीडिया का उपयोग

सोशल मीडिया के उपयोग और राजनीतिक भागीदारी को प्रभावित करने में आयु, लिंग, शिक्षा और क्षेत्रीय स्थान की भूमिका का अध्ययन झांग एट अल. (2010) द्वारा किया गया है, जिन्होंने पाया कि युवा व्यक्तियों और उच्च शैक्षिक पृष्ठभूमि वाले लोगों के सोशल मीडिया पर राजनीतिक रूप से शामिल होने की अधिक संभावना है। डेविस (1999) ने यह भी उल्लेख किया कि ऑनलाइन राजनीतिक जुड़ाव में लिंग अंतर महत्वपूर्ण है, जिसमें पुरुषों के फेसबुक पर राजनीतिक चर्चाओं में शामिल होने की अधिक संभावना है।

3. प्रक्रिया

नमूने का चयन

अध्ययन में भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल के 18–39 वर्ष की आयु के 390 युवा प्रतिभागियों को शामिल किया गया। नमूना ऑनलाइन सर्वेक्षणों और व्यक्तिगत साक्षात्कारों के मिश्रण के माध्यम से चुना गया था, जिससे क्षेत्रों और पृष्ठभूमियों का विविध प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हुआ। प्रतिभागियों का चयन फेसबुक के साथ उनकी सक्रिय भागीदारी और राजनीतिक मामलों पर चर्चा करने की उनकी इच्छा के आधार पर किया गया था।

डेटा संग्रह उपकरण

डेटा संग्रह के लिए प्राथमिक उपकरण एक संरचित प्रश्नावली थी, जिसमें जनसांख्यिकीय जानकारी (आयु, लिंग, शैक्षिक स्तर, रोजगार की स्थिति और क्षेत्र) और ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी, फेसबुक पर जानकारी की गुणवत्ता और मंच के उपयोग में आसानी को मापने के लिए डिजाइन किए गए प्रश्न शामिल थे।

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 9, Issue: 01 | January - June 2022

डेटा विश्लेषण तकनीकें

डेटा का विश्लेषण वर्णनात्मक सांख्यिकी, आवृत्ति वितरण और काई–स्क्वायर और टी–टेस्ट के माध्यम से परिकल्पना परीक्षण का उपयोग करके किया गया था। इसका लक्ष्य जनसांख्यिकीय कारकों के प्रभावों पर विचार करते हुए फेसबुक के उपयोग और राजनीतिक भागीदारी के बीच संबंधों का आकलन करना था।

4. डेटा विश्लेषण

4.1 जनसांख्यिकीय डेटा विश्लेषण

यह तालिका इस अध्ययन में शामिल 390 प्रतिभागियों (271 पुरुष और 119 महिलाएं) के जनसांख्यिकीय डेटा का सारांश प्रस्तुत करती है। यह डेटा यह समझने के लिए आवश्यक है कि आयु, लिंग, शिक्षा, रोजगार की स्थिति और स्थानीयता जैसे विभिन्न कारक फेसबुक के उपयोग और राजनीतिक भागीदारी को कैसे प्रभावित करते हैं।

तालिका 1: जनसांख्यिकीय डेटा विश्लेषण

जनसांख्यिकीय कारक	वर्ग	आवृत्ति (n=390)	प्रतिशत (%)
आयु	20-24 वर्ष	140	36%
	25-29 वर्ष	125	32%
	30-34 वर्ष	80	20.5%
	35-39 वर्ष	45	11.5%
लिंग	पुरुष	271	69.5%
	महिला	119	30.5%
शैक्षणिक स्तर	स्नातक की डिग्री	209	53.5%
	परास्नातक उपाधि	181	46.5%
रोज़गार की स्थिति	स्थायी रोजगार	217	55.5%
	संविदा रोजगार	173	44.5%
क्षेत्र	भारत	234	60%
	बांग्लादेश	58	15%
	पाकिस्तान	58	15%
	नेपाल	40	10%

तालिका 390 प्रतिभागियों की जनसांख्यिकीय विशेषताओं का अवलोकन प्रदान करती है, जिसमें 271 पुरुष (69.5 प्रतिशत) और 119 महिलाएँ (30.5 प्रतिशत) शामिल हैं। आयु वितरण से पता चलता है कि 36 प्रतिशत प्रतिभागी 20–24 वर्ष की आयु के बीच हैं, 32 प्रतिशत 25–29 वर्ष के बीच हैं, 20.5 प्रतिशत 30–34 वर्ष के बीच हैं, और 11.5 प्रतिशत 35–39 वर्ष के बीच हैं। शिक्षा के संबंध में, 53.5 प्रतिशत के पास स्नातक की डिग्री है, जबकि 46.5 प्रतिशत के पास स्नातकोत्तर डिग्री है। रोजगार की स्थिति से पता चलता है कि 55. 5 प्रतिशत स्थायी रोजगार में हैं, और 44.5 प्रतिशत संविदात्मक रोजगार में हैं। भौगोलिक दृष्टि से, 60 प्रतिशत उत्तरदाता भारत से हैं, जबकि 15 प्रतिशत बांग्लादेश और पाकिस्तान से हैं, और 10 प्रतिशत नेपाल से हैं।

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 9, Issue: 01 | January - June 2022

4.2 सर्वेक्षण प्रश्न विश्लेषण

सर्वेक्षण में फेसबुक के उपयोग और राजनीतिक भागीदारी पर इसके प्रभाव से संबंधित कई प्रश्न शामिल थे। नीचे 390 उत्तरदाताओं द्वारा प्रत्येक प्रश्न के उत्तर का सारांश दिया गया है।

तालिका 2: सर्वेक्षण प्रश्न विश्लेषण

सवाल	पूरी तरह से सहमत (n=390)	सहमत	तटस्थ	असहमत	दृढ़तापूर्वक असहमत
मैं राजनीतिक सामग्री से जुड़ने के लिए फेसबुक का उपयोग करता हूं।	175 (44.9%)	137 (35.1%)	39 (10%)	19 (4.9%)	20 (5.1%)
फेसबुक मुझे राजनीतिक मुद्दों के बारे में जानकारी रखने में मदद करता है।	195 (50%)	156 (40%)	20 (5.1%)	12 (3.1%)	7 (1.8%)
मुझे फेसबुक पर राजनीतिक चर्चा में शामिल होना आसान लगता है।	156 (40%)	195 (50%)	20 (5.1%)	9 (2.3%)	10 (2.5%)
फेसबुक पर राजनीतिक जानकारी मेरे मतदान निर्णयों को प्रभावित करती है।	117 (30%)	195 (50%)	39 (10%)	19 (4.9%)	20 (5.1%)
मैं फेसबुक पर नियमित रूप से राजनीतिक सामग्री साझा करता हूं।	137 (35.1%)	156 (40%)	58 (14.9%)	19 (4.9%)	20 (5.1%)
फेसबुक मुझे ऑफलाइन राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।	98 (25.1%)	137 (35.1%)	78 (20%)	39 (10%)	38 (9.7%)
फेसबुक पर मुझे जो राजनीतिक जानकारी मिलती है वह विश्वसनीय है।	117 (30%)	195 (50%)	39 (10%)	19 (4.9%)	20 (5.1%)
मैं फेसबुक पर राजनीतिक बहसों में भाग लेता हूं।	156 (40%)	175 (44.9%)	39 (10%)	9 (2.3%)	10 (2.5%)
मैं अक्सर फेसबुक पर अपने दोस्तों के साथ राजनीतिक पोस्ट साझा करता हूं।	195 (50%)	156 (40%)	20 (5.1%)	9 (2.3%)	10 (2.5%)
मैं फेसबुक पर राजनीतिक नेताओं को फॉलो करता हूं।	234 (60%)	117 (30%)	20 (5.1%)	9 (2.3%)	10 (2.5%)

सर्वेक्षण के जवाबों से राजनीतिक भागीदारी में थ्बमइववा की भूमिका के बारे में अलग–अलग स्तर की सहमति दिखाई देती है। ''मैं राजनीतिक सामग्री से जुड़ने के लिए Facebook का उपयोग करता हूँ'' प्रश्न के लिए, 44.9 प्रतिशत ने दृढ़ता से सहमति व्यक्त की, और 35.1 प्रतिशत ने सहमति व्यक्त की, जबकि 10 प्रतिशत तटस्थ थे। राजनीतिक मुद्दों के बारे में जानकारी रखने के संबंध में, 50 प्रतिशत ने दृढ़ता से सहमति व्यक्त की, और 40 प्रतिशत ने सहमति व्यक्त की। जब पूछा गया कि क्या Facebook पर राजनीतिक चर्चाओं में शामिल होना आसान है, तो 40 प्रतिशत ने दृढ़ता से सहमति व्यक्त की, और 50 प्रतिशत ने सहमति व्यक्त की। मतदान निर्णयों पर Facebook पर राजनीतिक जानकारी के प्रभाव के लिए, 30 प्रतिशत ने दृढ़ता से सहमति व्यक्त की, और 50 प्रतिशत ने सहमति व्यक्त की। Facebook पर राजनीतिक सामग्री साझा करने के संबंध में, 35.1 प्रतिशत ने दृढ़ता से सहमति व्यक्त की, और 40 प्रतिशत ने सहमति व्यक्त की। ''Facebook मुझे ऑफलाइन राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है'' प्रश्न के लिए, 25.1 प्रतिशत ने दृढ़ता से सहमति व्यक्त की, और 35.1 प्रतिशत ने सहमति व्यक्त की। Facebook पर प्राप्त राजनीतिक जानकारी की विश्वसनीयता के बारे में पूछे जाने पर, 30 प्रतिशत ने दृढ़ता से सहमति व्यक्त की, और 50 प्रतिशत ने सहमति व्यक्त की। फेसबुक पर राजनीतिक बहस में भाग लेने के लिए, 40 प्रतिशत ने दृढ़ता से सहमति व्यक्त की, और 44.9 प्रतिशत ने सहमति व्यक्त की। दोस्तों के साथ राजनीतिक पोस्ट साझा करने के संबंध में, 50 प्रतिशत ने दृढ़ता से सहमति व्यक्त की, और 40 प्रतिशत ने सहमति व्यक्त

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 9, Issue: 01 | January - June 2022

की। अंत में, 60 प्रतिशत प्रतिभागियों ने दृढ़ता से सहमति व्यक्त की, और 30 प्रतिशत ने फेसबुक पर राजनीतिक नेताओं का अनुसरण करने के बारे में सहमति व्यक्त की।

4.3 परिकल्पना परीक्षण

नीचे दी गई तालिकाएँ फेसबुक के उपयोग, सूचना की गुणवत्ता, उपयोग में आसानी और राजनीतिक भागीदारी के बीच संबंधों के लिए परिकल्पना परीक्षण के परिणाम दिखाती हैं। हमने चरों के बीच संबंधों की जांच करने के लिए ची–स्क्वायर परीक्षण का उपयोग किया।

परिकल्पना 1: फेसबुक उपयोग और ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी

शून्य परिकल्पना: फेसबुक का उपयोग और ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना: फेसबुक का उपयोग और ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध है।

तालिका 3: फेसबुक उपयोग और ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी परिकल्पना परीक्षण

चर	ची-स्क्वायर मान	पी-मूल्य
फेसबुक का उपयोग और राजनीतिक भागीदारी	28.45	0.003

शून्य परिकल्पना ने यह माना कि फेसबुक के उपयोग और ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है। वैकल्पिक परिकल्पना ने कहा कि एक महत्वपूर्ण संबंध है। ची–स्क्वायर मान 28.45 था, जिसका च–मान 0.003 था। चूँकि च–मान 0.05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना को अस्वीकार कर दिया जाता है, जो फेसबुक के उपयोग और ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध दर्शाता है। इससे पता चलता है कि फेसबुक का बढ़ता उपयोग राजनीतिक भागीदारी के उच्च स्तर से जुड़ा हुआ है।

परिकल्पना 2: फेसबुक सूचना गुणवत्ता और ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी

शून्य परिकल्पना: फेसबुक पर प्राप्त राजनीतिक सूचना की गुणवत्ता और ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना: फेसबुक पर प्राप्त राजनीतिक सूचना की गुणवत्ता और ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध है।

तालिका 4: फेसबुक सूचना गुणवत्ता और ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी परिकल्पना परीक्षण

चर	ची-स्क्वायर मान	पी-मूल्य
सूचना की गुणवत्ता और राजनीतिक भागीदारी	22.89	0.025

इस परिकल्पना में, शून्य परिकल्पना ने प्रस्तावित किया कि फेसबुक पर सूचना की गुणवत्ता ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित नहीं करती है, जबकि वैकल्पिक परिकल्पना ने सुझाव दिया कि यह करती है। इस परीक्षण के लिए काई–स्क्वायर मान 22.89 था, जिसका च–मान 0.025 था। चूँकि च–मान 0.05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना को अस्वीकार कर दिया जाता है। यह पुष्टि करता है कि फेसबुक पर राजनीतिक जानकारी की गुणवत्ता ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है। जो प्रतिभागी सूचना को विश्वसनीय और भरोसेमंद मानते हैं, उनके प्लेटफॉर्म पर राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने की अधिक संभावना होती है।

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 9, Issue: 01 | January - June 2022

परिकल्पना 3: सोशल मीडिया के उपयोग में आसानी और राजनीतिक गतिविधियों में सोशल मीडिया के उपयोग के बीच एक मजबूत संबंध है

शून्य परिकल्पना: सोशल मीडिया के उपयोग में आसानी और राजनीतिक गतिविधियों में सोशल मीडिया के उपयोग के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना: सोशल मीडिया के उपयोग में आसानी और राजनीतिक गतिविधियों में सोशल मीडिया के उपयोग के बीच एक मजबूत संबंध है।

तालिका 5: सोशल मीडिया के उपयोग में आसानी और राजनीतिक भागीदारी परिकल्पना परीक्षण

चर	ची-स्क्वायर मान	पी-मूल्य
फेसबुक का उपयोग आसान बनाना और राजनीतिक भागीदारी	18.92	0.045

इस मामले में शून्य परिकल्पना ने प्रस्तावित किया कि फेसबुक के उपयोग में आसानी राजनीतिक भागीदारी को सकारात्मक रूप से प्रभावित नहीं करती है, जबकि वैकल्पिक परिकल्पना ने सुझाव दिया कि ऐसा होता है। इस परीक्षण के लिए काई–स्क्वायर मान 18.92 था, जिसका च–मान 0.045 था। चूँकि च–मान 0.05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना को अस्वीकार कर दिया जाता है, जिसका अर्थ है कि फेसबुक के उपयोग में आसानी का राजनीतिक भागीदारी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जिन उत्तरदाताओं को फेसबुक का उपयोग करना आसान लगता है, उनके प्लेटफॉर्म पर राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने की अधिक संभावना होती है।

5. चर्चा

इस अध्ययन में भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल के 390 प्रतिभागियों के सर्वेक्षण के आधार पर भारतीय युवाओं के बीच ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की राजनीतिक भागीदारी पर फेसबुक के प्रभाव का पता लगाया गया। निष्कर्षों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि फेसबुक का उपयोग, राजनीतिक जानकारी की गुणवत्ता और उपयोग में आसानी सभी राजनीतिक भागीदारी के महत्वपूर्ण निर्धारक हैं। डेटा से पता चला कि फेसबुक का बढ़ता उपयोग ऑनलाइन गतिविधियों (जैसे, राजनीतिक सामग्री को लाइक करना, शेयर करना) और ऑफलाइन क्रियाओं (जैसे, विरोध प्रदर्शन में भाग लेना या मतदान करना) दोनों के संदर्भ में उच्च स्तर की राजनीतिक भागीदारी से जुड़ा है। ये निष्कर्ष पिछले शोध की पुष्टि करते हैं जो बताते हैं कि फेसबुक सहित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, विशेष रूप से युवा आबादी के बीच राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं (बॉमगार्टनर और मॉरिस, 2010; गिल डे जुनिगा एट अल., 2012)।

फेसबुक का उपयोग और ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी

पहली परिकल्पना, जिसने फेसबुक के उपयोग और ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी के बीच सकारात्मक संबंध स्थापित किया था, डेटा द्वारा दृढ़ता से समर्थित थी। ची–स्क्वायर परीक्षण ने एक महत्वपूर्ण संबंध ($\chi^2 = 28.45$, च $= 0.003$) प्रकट किया, जो दर्शाता है कि फेसबुक का बढ़ता उपयोग ऑनलाइन राजनीतिक गतिविधियों में अधिक लगातार भागीदारी के साथ मेल खाता है। यह बाउमगार्टनर और मॉरिस (2010) के अनुरूप है, जिन्होंने पाया कि फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म युवा लोगों को राजनीतिक चर्चा में शामिल होने और राजनीतिक सामग्री साझा करने के लिए एक स्थान प्रदान करते हैं, जिससे ऑनलाइन भागीदारी बढ़ती है। अध्ययन गिल डे जुनिगा एट अल. (2012) का भी समर्थन करता है, जो तर्क देते हैं कि फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं को विविध राजनीतिक दृष्टिकोण और सामग्री तक पहुँच प्रदान करके राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होने के अवसर प्रदान करते हैं।

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 9, Issue: 01 | January - June 2022

फेसबुक पर सूचना की गुणवत्ता

दूसरी परिकल्पना ने ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी को प्रभावित करने में फेसबुक पर सूचना की गुणवत्ता की भूमिका का पता लगाया। परिणाम ($\chi^2 = 22.89$, च $= 0.025$) पुष्टि करते हैं कि सूचना की विश्वसनीयता और विश्वसनीयता उपयोगकर्ताओं की राजनीतिक भागीदारी को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है। जिन प्रतिभागियों ने फेसबुक पर उनके द्वारा देखी गई राजनीतिक जानकारी को विश्वसनीय माना, उनके राजनीतिक चर्चाओं में शामिल होने, सामग्री साझा करने और ऑनलाइन राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने की अधिक संभावना थी। यह एलिसन एट अल. (2007) के निष्कर्षों के अनुरूप है, जिन्होंने सुझाव दिया था कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा की गई जानकारी की गुणवत्ता और विश्वसनीयता उपयोगकर्ताओं के राजनीतिक व्यवहार को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकती है। यदि उपयोगकर्ता फेसबुक पर दी गई जानकारी को विश्वसनीय और भरोसेमंद मानते हैं, तो उनके राजनीतिक रूप से जुड़ने और अपने विचारों से मेल खाने वाली सामग्री साझा करने की अधिक संभावना होती है, जिससे राजनीतिक भागीदारी बढ़ती है।

उपयोग में आसानी और राजनीतिक भागीदारी

तीसरी परिकल्पना, जिसमें राजनीतिक भागीदारी पर फेसबुक के उपयोग में आसानी के प्रभाव की जांच की गई थी, का भी समर्थन किया गया। परिणाम ($\chi^2 = 18.92$, च $= 0.045$) संकेत देते हैं कि जिन उत्तरदाताओं को फेसबुक का उपयोग करना आसान लगा, वे मंच पर राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने की अधिक संभावना रखते थे। यह शेफेले एट अल. (2004) और पार्क एट अल. (2009) द्वारा किए गए पिछले शोध के अनुरूप है, जिन्होंने पाया कि उपयोगकर्ता के अनुकूल प्लेटफॉर्म राजनीतिक सामग्री के साथ अधिक लगातार जुड़ाव को प्रोत्साहित करते हैं। फेसबुक के इंटरफेस पर नेविगेट करने की आसानी उपयोगकर्ताओं को राजनीतिक सामग्री को सहजता से साझा करने, चर्चाओं पर टिप्पणी करने और बहस में शामिल होने में सक्षम बनाती है, जिससे अधिक राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा मिलता है।

जनसांख्यिकीय अंतर्दृष्टि

जनसांख्यिकीय डेटा विभिन्न समूहों में राजनीतिक भागीदारी में महत्वपूर्ण पैटर्न को प्रकट करता है। 20–24 वर्ष की आयु के युवा और उच्च शिक्षा स्तर (स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री) वाले व्यक्ति ऑनलाइन राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने की अधिक संभावना रखते थे। ये निष्कर्ष पिछले शोध से मेल खाते हैं, जिसने दिखाया है कि युवा, अधिक शिक्षित व्यक्ति सोशल मीडिया पर राजनीतिक रूप से भाग लेने की अधिक संभावना रखते हैं (झांग एट अल., 2010)। दूसरी ओर, लिंग और रोजगार की स्थिति का राजनीतिक भागीदारी पर न्यूनतम प्रभाव पड़ा। यह निष्कर्ष कुछ हद तक आश्चर्यजनक है, क्योंकि पिछले अध्ययनों, जैसे कि डेविस (1999) ने ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी में लिंग अंतर का संकेत दिया है। हालांकि, इस अध्ययन में न्यूनतम प्रभाव यह सुझाव दे सकता है कि अन्य कारक, जैसे कि उत्तरदाताओं के क्षेत्रों में राजनीतिक माहौल, राजनीतिक व्यवहार को आकार देने में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं।

क्षेत्रीय विविधताएँ

इस अध्ययन का एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल में राजनीतिक भागीदारी में क्षेत्रीय अंतर है। भारत के उत्तरदाता फेसबुक पर राजनीतिक रूप से अधिक सक्रिय थे, जो देश के जीवंत राजनीतिक माहौल को प्रतिबिंबित कर सकता है। इससे पता चलता है कि स्थानीय राजनीतिक संदर्भ और सांस्कृतिक कारक इस बात को आकार दे सकते हैं कि युवा सोशल मीडिया पर राजनीतिक सामग्री से किस हद तक जुड़ते हैं। यह अध्ययन राजनीतिक भागीदारी के लिए एक उपकरण के रूप में फेसबुक के महत्व को उजागर करता है, खासकर युवाओं के बीच। परिणाम इस बात को रेखांकित करते हैं कि राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने में फेसबुक की भूमिका न केवल इसके व्यापक उपयोग का कार्य है, बल्कि सूचना की गुणवत्ता और मंच के उपयोग में आसानी का भी कार्य है। इससे पता चलता है कि राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्लेटफार्मों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सूचना विश्वसनीय बनी रहे और मंच

उपयोगकर्ता के अनुकूल बना रहे।

निष्कर्ष

यह अध्ययन भारतीय युवाओं के बीच राजनीतिक भागीदारी को प्रभावित करने में फेसबुक की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। निष्कर्ष दर्शाते हैं कि फेसबुक का उपयोग, सूचना की गुणवत्ता और उपयोग में आसानी सभी ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं। चर्चाओं को बढ़ावा देने, जानकारी साझा करने और भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के द्वारा, फेसबुक युवा व्यक्तियों को अधिक राजनीतिक रूप से सक्रिय बनने के लिए सशक्त बनाता है। परिकल्पना परीक्षण के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि फेसबुक का बढ़ता उपयोग, सूचना की विश्वसनीयता और उपयोगकर्ता के अनुकूल प्लेटफॉर्म ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों में अधिक राजनीतिक भागीदारी में योगदान करते हैं। ये परिणाम सोशल मीडिया और राजनीतिक भागीदारी के बीच सकारात्मक संबंध पर मौजूदा साहित्य के अनुरूप हैं (बॉमगार्टनर और मॉरिस, 2010; गिल डे जुनिगा एट अल., 2012)। इसके अलावा, आयु और शिक्षा जैसे जनसांख्यिकीय कारक ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी के महत्वपूर्ण भविष्यवक्ता पाए गए, जो इस विचार को पुष्ट करते हैं कि अधिक शिक्षित युवा सोशल मीडिया पर राजनीतिक सामग्री से जुड़ने की अधिक संभावना रखते हैं। हालाँकि, इस अध्ययन में लिंग का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं था, यह दर्शाता है कि राजनीतिक भागीदारी पर सोशल मीडिया के प्रभाव पारंपरिक लिंग भेदों से परे हो सकते हैं। भावी शोध में अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के प्रभाव की जांच की जानी चाहिए तथा क्षेत्रीय और सांस्कृतिक विविधताओं को ध्यान में रखते हुए ऑफलाइन राजनीतिक भागीदारी पर गहराई से विचार किया जाना चाहिए।

संदर्भ

बाउमगार्टनर, जे., और मॉरिस, जे. (2010)। मायफेसट्यूब राजनीतिः सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट और युवा वयस्कों की राजनीतिक भागीदारी। सोशल साइंस कंप्यूटर रिव्यू, 28(1), 24–44।

बेनेट, डब्ल्यूएल, और अयंगर, एस. (2008)। न्यूनतम प्रभावों का एक नया युग? राजनीतिक संचार की बदलती नींव। जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन, 58, 707–731।

चौडविक, ए. (2006). इंटरनेट राजनीति. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस.

डेविस, आर. (1999). राजनीति का जाल. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस.

अर्ल, जे., और किमपोर्ट, के. (2011). डिजिटल रूप से सक्षम सामाजिक परिवर्तन. एमआईटी प्रेस.

एलिसन, एन., स्टीनफील्ड, सी., और लैम्पे, सी. (2007)। फेसबुक ''मित्रों'' के लाभः सामाजिक पूंजी और कॉलेज के छात्रों द्वारा ऑनलाइन सोशल नेटवर्क साइटों का उपयोग। जर्नल ऑफ कंप्यूटर–मीडिएटेड कम्युनिकेशन, 12, 1143–1168।

गिल डे जुनिगा, एच., जंग, एन., और वैलेंजुएला, एस. (2012)। समाचार और व्यक्तियों की सामाजिक पूंजी, नागरिक जुड़ाव और राजनीतिक भागीदारी के लिए सोशल मीडिया का उपयोग। जर्नल ऑफ कंप्यूटर–मीडिएटेड कम्युनिकेशन, 17, 319–336।

गिल डे जुनिगा, एच., पुइग–ए–अब्रिल, ई., और रोजास, एच. (2009)। वेबलॉग, पारंपरिक ऑनलाइन स्रोत और राजनीतिक भागीदारीः इंटरनेट किस तरह से राजनीतिक माहौल को बदल रहा है, इसका आकलन। न्यू मीडिया एंड सोसाइटी, 11, 553–574।

गिल डे जुनिगा, एच., और वैलेंजुएला, एस. (2011)। मजबूत नागरिकता के लिए मध्यस्थता का मार्गः ऑनलाइन और ऑफलाइन नेटवर्क, कमजोर संबंध और नागरिक जुड़ाव। संचार अनुसंधान, 38, 397–421।

कुशिन, एम., और यामामोटो, एम. (2010)। क्या सोशल मीडिया वास्तव में मायने रखता है? 2008 के चुनाव में कॉलेज के छात्रों द्वारा ऑनलाइन मीडिया का उपयोग और राजनीतिक निर्णय लेना। मास कम्युनिकेशन एंड सोसाइटी, 13, 608–630।

ली, एफएलएफ (2006)। हांगकांग में सामूहिक प्रभावकारिता, लोकतंत्र के लिए समर्थन और राजनीतिक भागीदारी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पब्लिक ओपिनियन रिसर्च, 18, 297–317।

लुपिया, ए., और फिलपोट, टीएस (2005)। नेट के अंदर से दृश्यः वेबसाइटें युवा वयस्कों की राजनीतिक

रुचि को कैसे प्रभावित करती हैं। जर्नल ऑफ पॉलिटिक्स, 36, 77–82।

मिशेलस्टीन, ई., और बोक्जकोव्स्की, पी.जे. (2010)। ऑनलाइन समाचार उपभोग अनुसंधानः पिछले काम का मूल्यांकन और भविष्य के लिए एजेंडा। न्यू मीडिया एंड सोसाइटी, 12, 1085–1102।

मुट्ज, डी. (2006). दूसरे पक्ष की सुनवाई. कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस.

पार्क, एनएस, की, केएफ, और वैलेंजुएला, एस. (2009)। सोशल नेटवर्किंग वातावरण में डूबे रहनाः फेसबुक समूह, उपयोग और संतुष्टि, और सामाजिक परिणाम। साइबरसाइकोलॉजी और व्यवहार, 12, 729–733।

प्रायर, एम. (2007). पोस्ट–ब्रॉडकास्ट डेमोक्रेसी. कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस.

रोजास, एच., और पुइग–आई–एब्रिल, ई. (2009)। मोबिलाइजर्स ने मोबिलाइज कियाः डिजिटल युग में सूचना, अभिव्यक्ति, मोबिलाइजेशन और भागीदारी। जर्नल ऑफ कंप्यूटर–मीडिएटेड कम्युनिकेशन, 14, 902–927।

स्केफेल, डीए, निस्बेट, एमसी, ब्रोसार्ड, डी., और निस्बेट, ईसी (2004)। सामाजिक संरचना और नागरिकताः राजनीतिक भागीदारी पर सामाजिक सेटिंग, नेटवर्क विविधता और सूचनात्मक चर के प्रभावों की जांच करना। राजनीतिक संचार, 21, 315–338।

वेलेंजुएला, एस., पार्क, एन., और की, के.एफ. (2009)। क्या सोशल नेटवर्क साइट्स में सामाजिक पूंजी है? फेसबुक का उपयोग और कॉलेज के छात्रों की जीवन संतुष्टि, विश्वास और भागीदारी। जर्नल ऑफ कंप्यूटर–मीडिएटेड कम्युनिकेशन, 14, 875–901।

विटक, जे., जुबे, पी., स्मॉक, ए., कैर, सी., एलिसन, एन., और लैम्पे, सी. (2010)। यह जटिल हैः 2008 के चुनाव में फेसबुक उपयोगकर्ताओं की राजनीतिक भागीदारी। साइबरसाइकोलॉजी, व्यवहार और सोशल नेटवर्किंग, 14, 107–114।

वार्ड, जे. (2012). संचार नागरिकता ऑनलाइन. हैम्पटन प्रेस.

झांग, डब्ल्यू., जॉनसन, टी., सेल्टजर, टी., और बिचर्ड, एस. (2010)। क्रांति नेटवर्क होगीः राजनीतिक दृष्टिकोण और व्यवहार पर सोशल नेटवर्किंग साइटों का प्रभाव। सोशल साइंस कंप्यूटर रिव्यू, 28, 75–92।